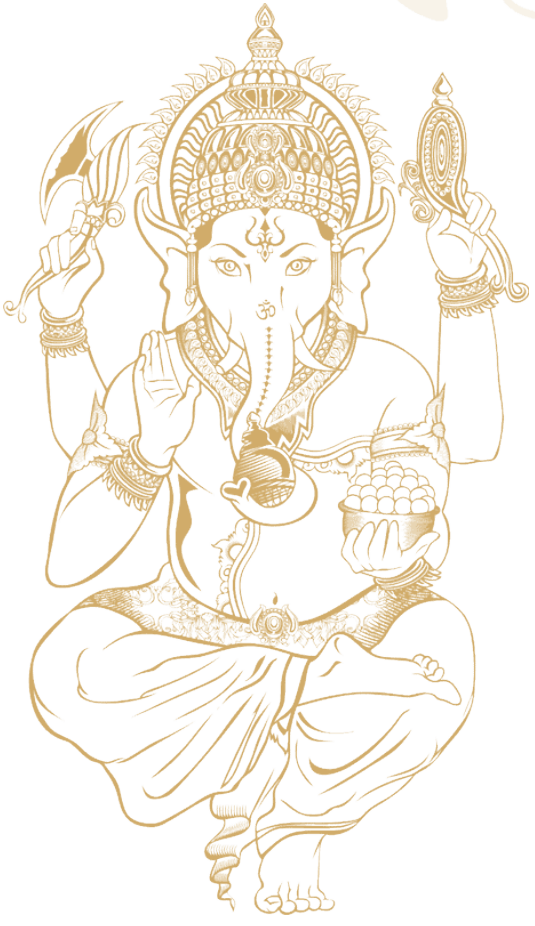

Mr Pranshu

Sadiksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121068105

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/11/1995	जन्म तिथि	14/12/1997
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 14:54:42	जन्म समय	18:03:00 घंटे
घटी 20:20:35	जन्म समय(घटी)	27:22:42 घटी
India	देश	Nepal
Alwar	स्थान	Kathmandu
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	27:05:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	85:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	86:15:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:04:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:28	सूर्योदय	06:45:59
17:30:57	सूर्यास्त	17:12:50
23:48:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:37

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 1वर्ष 11मा 4दि		12:49:48	मीन	लग्न	मिथु	11:14:28	मंगल 1वर्ष 5मा 24दि	
राहु		01:45:18	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	28:43:05	गुरु	
23/10/2014		05:42:43	कन्या	चंद्र	मिथु	03:50:19	09/06/2017	
23/10/2032		27:02:13	वृश्चि	मंगल	मक	03:14:09	09/06/2033	
राहु	05/07/2017	28:57:33	तुला	बुध व	धनु	05:18:08	गुरु	28/07/2019
गुरु	29/11/2019	25:51:15	वृश्चि	गुरु	मक	25:00:09	शनि	08/02/2022
शनि	05/10/2022	24:48:26	वृश्चि	शुक्र	मक	07:15:35	बुध	15/05/2024
बुध	23/04/2025	24:12:17	कुंभ व	शनि व	मीन	19:42:38	केतु	21/04/2025
केतु	12/05/2026	02:25:45	तुला	राहु व	सिंह	20:25:41	शुक्र	21/12/2027
शुक्र	12/05/2029	02:25:45	मेष	केतु व	कुंभ	20:25:41	सूर्य	09/10/2028
सूर्य	05/04/2030	03:29:27	मक	हर्ष	मक	12:24:54	चन्द्र	08/02/2030
चन्द्र	05/10/2031	29:30:30	धनु	नेप	मक	04:30:48	मंगल	14/01/2031
मंगल	23/10/2032	06:29:54	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:18:00	राहु	09/06/2033

लग्न-चलित

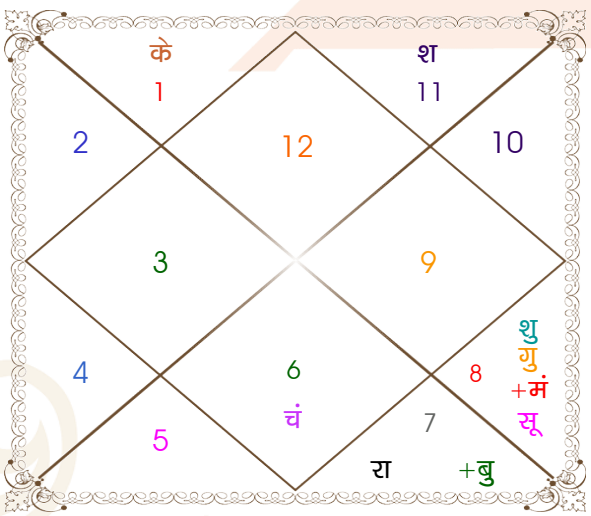

लग्न-चलित

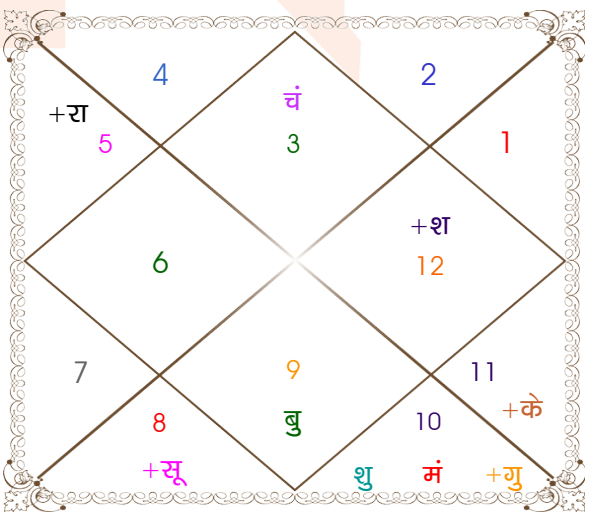

Janm yoga Darpan
Kathmandu Nepal
+977 9851044647
pathajiastro09@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

डत च्तंदीन का वर्ग मूषक है तथा ैकर्पो का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डत च्तंदीन और ैकर्पो का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डत च्तंदीन मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ैकर्पो मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैकर्पो कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु ैकर्पो कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डत च्तंदीन कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डत च्तंदीन तथा ॅकर्पोी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।